हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ़

19 अक्तूबर 2024, समय 1810

- पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज के दीक्षांत समारोह में 763 छात्रों को डिग्रीयां प्रदान की।
- श्री कटारिया ने युवा पेशेवरों से स्वदेशी नवाचार और तकनीकी विकास को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने का आग्रह किया।
- केंद्रीय गृह सचिव, श्री गोविंद मोहन ने केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में लागू की गई विभिन्न केंद्र प्रयोजित योजनाओं एवं कार्यकर्मों की प्रगति की समीक्षा की।
- कैबिनेट मंत्री अनिल विज और रणवीर गंगवा ने कहा कि बीजेपी सरकार सेवा,सुशासन,समानता,समृद्धि और गरीब कल्याण के लिए समर्पित रहेगी।
- करनाल स्थित राष्ट्रीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान ने केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदित गेहूं की 13 किस्मों के बीज वितरण का काम शुरू किया।

****

पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने आज पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज के 54 वें दीक्षांत समारोह में बी.टेक, एम.टेक और पीएचडी के लगभग 763 छात्रों को डिग्री प्रदान की। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए श्री कटारिया ने पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज की समृद्ध विरासत प्रशंसा की। श्री कटारिया ने कहा कि 100 से अधिक वर्षों की अपनी प्रतिष्ठित यात्रा में, संस्थान ने देश को विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक, इंजीनियर , शोधकर्ता, नौकरशाह, उद्यमी और कलाकार दिए हैं । अपने संबोधन में श्री कटारिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इंडिया@2047 के विजन की भी सराहना की, जिसका लक्ष्य स्वतंत्रता की शताब्दी तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। उन्होंने मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसे राष्ट्रीय मिशनों के महत्व पर प्रकाश डाला, छात्रों और युवा पेशेवरों से स्वदेशी नवाचार और तकनीकी विकास को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने का आग्रह किया।राज्यपाल ने कहा कि PEC 1960 के दशक में भारतीय वायु सेना के लिए वैमानिकी इंजीनियरों के उत्पादन में अपनी भूमिका से लेकर भारत सरकार द्वारा हाल ही में 5G यूज केस लैब और सेमीकंडक्टर मिशन में शामिल किए जाने के लिए मान्यता प्राप्त करने तक, देश की जरूरतों के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है। राज्यपाल ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए निरंतर सीखने के महत्व

पर जोर दिया और स्नातकों से समाज और राष्ट्र के विकास के लिए अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग करने का आग्रह किया।

****

केंद्रीय गृह सचिव, गोविंद मोहन ने आज चंडीगढ़ के प्रशासक के सलाहकार राजीव वर्मा और चंडीगढ़ प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में लागू की गई विभिन्न केंद्र प्रायोजित योजनाओं और अन्य प्रमुख कार्यक्रमों के तहत की गई प्रगति की समीक्षा की । बैठक में गृह मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव आशुतोष अग्निहोत्री भी मौजूद रहे ।चंडीगढ़ प्रशासन ने चंडीगढ़ में लागू की गई 30 प्रमुख योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट साझा की। नगर निगम, स्वास्थ्य और शिक्षा, समाज कल्याण, वित्त, पर्यावरण, उद्योग और, खेल विभागों के अधिकारियों ने चंडीगढ़ को स्वच्छ, हरित और स्मार्ट शहर के रूप में विकसित करने के लिए चल रहे प्रयासों पर जोर देते हुए अपने-अपने प्रमुख कार्यक्रमों की स्थिति प्रस्तुत की। केंद्रीय गृह सचिव ने इन योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन पर संतोष व्यक्त किया और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में केंद्र शासित प्रदेशों के बीच चंडीगढ़ की आदर्श बनने की क्षमता पर जोर दिया। केंद्रीय गृह सचिव ने केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में हाल ही में लागू किए गए तीन नए आपराधिक कानूनों और ऐप - ई-साक्ष्य, न्याय सेतु, न्याय श्रुति और ई-समन के कार्यान्वयन की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इन नए लागू किए गए आपराधिक कानूनों से गवाहों और विशेषज्ञों के लिए समय और धन की बचत होगी, अदालतों में भीड़ कम होगी और त्वरित सुनवाई सुनिश्चित होगी।

****

कैबिनेट मंत्री अनिल विज और रणवीर गंगवा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में बी.जे.पी की पूर्ण बहुमत की सरकार सेवा, सुशासन, समानता, समृद्धि और गरीब कल्याण के लिए समर्पित रहेगी। आज हिसार के बरवाला में प्रशासनिक अधिकारीयों के बैठक के बाद रणवीर गंगवा कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल और मौजूदा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अगुवाई में गत 10 वर्षों में हरियाणा एक हरियाणवी एक के सिद्धांत पर सरकार ने जो काम किया, उसे निरंतर जारी रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि बरवाला हलके में विकास कार्यों को करवाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी।श्री गंगवा ने कहा कि बी.जे.पी सरकार ने बिना खर्ची व पर्ची के योग्य युवाओं को रोज़गार देकर दिवाली का नायाब तोहफा दिया है।

****

हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा है कि अम्बाला के नागरिक अस्पताल में एस्केलेटर लगाया गया है, परसों उसका उद्घाटन किया जाएगा।मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा:

श्री विज ने कहा कि जो भी विकास कार्य चल रहे हैं उनका मुआयना किया जा रहा है और अधिकारियों को तेज़ गति से कार्य पूरा करने के आदेश दिए गए हैं।

****

हरियाणा के राज्यमंत्री राजेश नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में एक परिकल्पना के साथ हरियाणा को विकसित हरियाणा बनाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत का जो संकल्प है उसे सब मिलकर पूरा करेंगे। राज्यमंत्री राजेश नागर अम्बाला में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।उन्होंने कहा कि प्रदेश में हर वर्ग के उत्थान के लिए काम किया जाएगा। जो विकास कार्य चल रहे हैं, उन्हें गति देते हुए तेज़ी से पूरा करवाने का काम किया जायेगा।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पदभार ग्रहण करने से पहले अपने वायदे को पूरा करते हुए 24 हजार युवाओं को नौकरी दी है। उन्होंने कहा कि बिना खर्ची-पर्ची के योग्य पात्रों को नौकरी मिली है। जिसकी हर तरफ प्रशंसा हो रही है।

****

करनाल स्थित राष्ट्रीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान में केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदित गेहूं की 13 नई किस्मों के बीज वितरण का कार्य आज से शुरू हो गया है। नई किस्मों के बीज लेने के लिए देश भर से 22000 किसानों ने पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराया था।संस्थान के निदेशक डॉ रतन तिवारी ने बताया कि संस्थान ने इस बार 11 करोड़ 50 लाख टन गेहूं के उत्पादन का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष 113.29 मिलियन टन गेहूं का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ था। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को उम्मीद है की नई किस्मों के भरोसे वे इस लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे।

श्री तिवारी ने कहा कि बीज लेने के लिए पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान से 17000 किसानों के आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि वे 25 अक्टूबर किसान 5 नवंबर तक गेहूं की अगेती किस्मों की बुवाई कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आज बीज वितरण के साथ संस्थान में किसान वैज्ञानिक संवाद का भी आयोजन किया गया जिसमें कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को नई तकनीक के बारे में बताया।उन्होंने कहा कि किसान अपनी आय बढ़ाने के लिए गेहूं का प्रसंस्करण संयंत्र भी लगा सकते हैं।श्री तिवारी ने कहा कि संस्थान में जल्द ही किसानों को गेहूं के उत्पाद तैयार करने का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। संसथान के नोडल अधिकारी अमित शर्मा ने बताया कि किसानों को चौथे समूहों में बुलाया गया है। आज पंजाब के कुछ जिलों के किसान भी भीज लेने ए हैं।

उन्होंने बताया कि भीज सुविधापूर्वक किसानों को उपलब्ध हो इसका पूरा ख्याल रखा गया है।

श्री शर्मा ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों की भौगोलिक स्थिति के अनुसार गेहूं की इन किस्मों को तैयार किया गया है। गेहूं की नई किस्में अधिक उत्पादन देने के साथ साथ बीमारी रोधी भी है। गेहूं की अनुमोदित किस्मों में जौ की किस्म DWRV137 भी शामिल है जो छिलका रहित होने के साथ पशुचारे के लिए भूसा भी देगी।